Important Question for Class 12

Hindi Aroh

Chapter 2 - पतंग

अति लघु उत्तरीय **1 अंक**

1. बच्चे किस माध्यम से आकाश को छूना चाहते हैं?

उत्तर: पतंग के माध्यम से बच्चे आकाश को छूना चाहते हैं

2. बच्चों के पैरों को क्या कहा गया है?

उत्तर: बच्चों के पैरों को बेचैन यानी कि बिना चैन के कहा गया है

3. पतंग उड़ाते समय छत कैसी लगती है?

उत्तर: पतंग उड़ाते समय छत मुलायम प्रतीत होती है पतंग उड़ाने का जो मजा है जो कि कठोर एवं सख्त है उसको मुलायम कर देती है

4. नाजुक तथा किलकारी का शब्दार्थ बताइए?

उत्तर : नाजुक- कोमल

किलकारी- खुशी में चिल्लाना

5. इस कविता में किस ऋतु के आगमन को दर्शाया गया है?

उत्तर: शरद ऋतु के दृश्य को इस कविता में दर्शाया गया है

लघु उत्तरीय प्रश्न **2 अंक**

6. छत से गिरकर पर बचने के बाद बच्चों में क्या परिवर्तन होता है?

उत्तर: छत से गिरने के बाद और पकने के बाद बच्चों में विश्वास आ जाता है कि वह ठीक है वे निडर हो जाते हैं दे अधिक तेजी से जमीन पर दौड़ना शुरू कर देते हैं |

7. बच्चों के पैरों को बेचैन क्यों कहा गया है?

उत्तर: बच्चों के पैरों को बेचैन इसलिए कहा जाता है क्योंकि इतने गतिशील होते हैं कि एक जगह देखना नहीं चाहते वह निरंतर चलना ,घूमना दौड़ते रहते हैं |

8. हम अपने आप को कब कुशल और योग्य समझते हैं?

उत्तर: जब हमारे पास कठिनाइयां होती है और हम उन से लड़ जाते हैं उन चुनौतियों का सामना करते हैं तो हम स्वयं को योग्य कुशल महसूस करते हैं |

9. पतंग के उड़ने के साथ- साथ क्या उड़ता है?

उत्तर: पतंग उड़ने के साथ-साथ बच्चों के मन की भावनाएं इच्छाएं और कल्पनाएं भी साथ साथ उडती है जिस तरह पतंग ऊपर जाती रहती है उसी तरह बच्चे खुश होते रहते हैं पतंग के ऊपर नीचे होने के साथ-साथ बच्चों की इच्छाएं कल्पनाएं भी ऊपर नीचे उड़ते हैं

10. बच्चे पतंग की डोर थामे कैसे लगते हैं?

उत्तर: जिस तरह झूला इधर-उधर झूलता रहता है उसी तरह बच्चे पतंग की डोर थामे प्रतीत होते हैं जैसे झूला झुलाने से डोलता है उसी प्रकार पतंग उड़ाते समय बच्चों का शरीर भी डोलता है |

लघु उत्तरीय प्रश्न **3 अंक**

11. कवि ने प्रकृति का चित्रण किस प्रकार किया है ?

उत्तर: कवि ने प्रकृति का बहुत ही सुंदर अद्भुत चित्रण किया है भावना से जोड़कर बच्चों की इच्छा, प्रेम ,स्नेह ,कल्पना ने प्रकृति के साथ साथ उनके संबंध का बहुत ही सुंदर चित्रण कवि ने किया है शरद ऋतु और वर्षा ऋतु जाने के बाद उसे चारों ओर धूप की चमक बिखर जाती है | शरद के आने पर वातावरण में उत्साह और उमंग के वातावरण बनता है और हर तरफ मौसम के इतने सुंदर बदलाव से सुंदर मनमोहक सुगंध फैल जाती है |

12. कवि ने पतंग के लिए किस प्रकार के विशेषणों का प्रयोग किया है?

उत्तर: सबसे हल्की और रंगीन चीज के लिए पतंग का उपयोग किया है जैसे सबसे हल्का एवं पतला कागज | कवि अपने बचपन की यादों से सिर्फ पाठकों को आकर्षित करता है तथा पाठकों की जिज्ञासा बढ़ाते हैं कवि बताते हैं कि बच्चे इन पतंग की तरह होते हैं जो हमेशा बहुत सारी इच्छा से आकाश में उड़ने के लिए तैयार होते हैं | बच्चे पतंगों के माध्यम से आकाश में उडना चाहते हैं बच्चे भी पतंग की तरह साथ -साथ उड़ते हैं अपनी इच्छा और कल्पनाओं को लेकर |

13. कवि के अनुसार बच्चे किस की तरह हल्के और मुलायम है ?

उत्तर: कवि के अनुसार बच्चे कपास यानी रूई ठीक है मुलायम नरम और कोमल होते हैं | बच्चों का मन बहुत ही कोमल और सहृदय होता है उनकी भावनाएं बहुत मुलायम होती है जब बच्चे पतंग लेकर लेकर भागते हैं तब पतंग के साथ साथ बच्चों की कल्पनाएं और इच्छाएं भी उड़ने लगती है सुंदर दृश्य ऐसा होता है जैसे हवा में बच्चे उड़ रहे हैं बच्चे रूई की तरह हल्के और मुलायम लगते हैं |

14. बच्चे जब पतग उडाते है तब क्या प्रतीत होता है?

उत्तर: बच्चे जब पतंग उड़ाते हैं तब बच्चे उड़ते हुए प्रतीत होते हैं पतंग उड़ाते समय बच्चे ऐसे खुश होते हैं जैसे वह जमीन पर पतंग के साथ साथ भी उड़ रहे हो पतंग उड़ाते समय बच्चे छतों पर वैसे ही उड़ते हैं जैसे आसमान में पतंग बच्चों को किसी भी प्रकार के खतरों का डर नहीं है कि वह छत से गिर सकते है या नहीं बस वह अपनी मस्ती मे लीन होते हैं |

15. कवि आलोक धन्वा जी का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर: आलोक धनवा जी का जन्म 194 8 मैं बिहार के मुंगेर जिले में हुआ था इनकी पहली कविता जनता का आदमी प्रकाशित हुई थी उनकी प्रमुख रचनाएं भागी हुई लड़कियां तथा बेटियों की भ्रूण हत्या आदि पर है राहुल सम्मान से तथा बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ने इन्हें साहित्य सम्मान से सम्मानित किया है | आलोक धनवा जी को बनारसी प्रसाद भोजपुरी सिनेमा तथा पहले सम्मान से भी सम्मानित किया गया है इनकी कविताओं का संग्रह दुनिया रोज बनती है 1998 में प्रकाशित हुआ था |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **5 अंक**

16. कविता पतंग का सारांश बताइए

उत्तर: कविता पतंग में कवि ने बच्चों की भावना और इच्छाओं तथा कल्पनाओं का बहुत ही सुंदर और आकर्षक वर्णन किया है यह कविता पढ़ते समय पाठक की बचपन की याद ताजा हो जाती है कभी कहते हैं कि पतंग बच्चों के रंगीन सपने का परिचायक है कभी कहते हैं कि बच्चे पतंग के सहारे अपने सपनों की उड़ान भरते हैं कभी इस कविता में वर्षा ऋतु के बाद आने वाली शरद ऋतु के उमंग और वातावरण का सुंदर वर्णन करते हैं बच्चे पतंग उड़ाने के लिए गलियों और छतों पर ऐसे दौड़ते हैं जैसे उन्हें गिरने का डर हो ही ना और जब वह कभी गिर जाते हैं बचते हैं तो उनके मन में विश्वास और बढ़ जाता है |

17. सबसे तेज बौछारें गयीं, भादो गया…. .. तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया | इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए?

उत्तर: इन पंक्तियों का आशय है कि कभी वर्षा ऋतु के बाद के पास आवरण का वर्णन करता है कभी कहते हैं कि बरसात खत्म हो गई है वर्षा ऋतु के जाने के बाद शरद ऋतु का आगमन हुआ है शरद ऋतु में जो तेज धूप निकलती है उसक लालिमा खरगोश की आंखों की तरह ही प्रतीत होती है कवि ने शरद ऋतु को एक मानव की तरह प्रस्तुत करते हुए कहा है कि शरद ऋतु जो जो उसे साइकिल की घंटी बजाते हुए तथा पूलों को पार करते हुए आ रहा है वह बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए अपनी तरफ आकर्षित कर रही हैं कवि कहना चाहते हैं कि शरद ऋतु के कारण आसमान मुलायम प्रतीत होता है तथा चारों तरफ उमंग खुशी और उत्साह का वातावरण है इस ऋतु में तितलियों और पतंगो जैसी संसार की सबसे

कोमल औ हल्की चीज उड़ती हुई नजर आती है बच्चे पतंगों की भांति हल्के और तितलियों की तरह रंगीन है |

18. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास ....पतंगों की धड़कती ऊंचाइयां उन्हें थाम लेती है महज एक धागे के सहारे इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: इन पंक्तियों में कवि ने कपास से बच्चो की तुलना की है | कवि कहते हैं कि बच्चे कपास की तरह बिल्कुल नरम कोमल और मुलायम होते हैं बच्चे इतने कोमल होते हैं कि यह धरती उनके छूने से मुलायम होती है इस धरती पर बच्चे पतंग लेकर मौज मस्ती करते हैं एवं भागते दौड़ते हैं पतंग उड़ाने में बच्चे इतने ज्यादा मगन रहते हैं कि उन्हें छत से गिरने का भी डर नहीं रहता बच्चे जब पतंग उड़ाते हैं तो उनका शरीर इधर-उधर झूले की भांति डोलता है चोट ना लगने पर पर बच्चों के मन में आत्मविश्वास और अधिक बढ़ जाता है और वह पतंग उड़ाने में लीन रहते हैं |

19. पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं उनके बेचैन पैरों के पास | इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: इन पंक्तियों से तात्पर्य है कि सभी बच्चों के मन की कल्पनाओ,इच्छाओं का वर्णन करते हैं कवि कहते हैं कि बच्चे के मन में भांति भांति की भावनाएं सपने उत्पन्न होते रहते हैं बच्चे जब पतंग उड़ाते हैं तब देवी पतंग के साथ-साथ उड़ने लगते हैं बच्चे की कल्पना ही तथा भावनाएं पतंग के साथ उड़ान भरते नजर आती है उनके शरीर में उमंग तथा उत्साह की भावना है उनके शरीर में लचीलापन है जिसके कारण छत से गिरने से भी बच जाते हैं और गिरने से बचने से उनके मन में अधिक से अधिक विश्वास हो जाता है है कि वह नहीं

गिरेंगे क्योंकि जिस तरफ पतंग का रुख होता है उसी तरह बच्चा भी अपने आपको मोड लेता है

20. सबसे तेजी बौछारें गई भादो गया ….पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को | इन पंक्तियों का कागज सौंदर्य स्पष्ट कीजिए|

उत्तर:

1. इन पंक्तियों की भाषा सरल एवं सहज है

2. उपमा अलंकार का प्रयोग है जैसे- प्रातः काल में उगने वाले सूरज की लालिमा के लिए खरगोश की आंखों की उपमा दी गई है

3. ऋतुओं का मानवीकरण किया गया है जैसे शरद ऋतु |